web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 01 मार्च 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 153

महत्वपूर्ण एवं खास

खरीफ विपणन सत्र 2021-22 में 707.24 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई

नई दिल्ली (आरएनएस)। खरीफ विपणन सत्र (केएमएस) 2021-22 में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीद सुचारु रूप से की जा रही है, जिस प्रकार से पिछले वर्षों में होती रही है। खरीफ विपणन सत्र 2021-22 में दिनांक 27.02.2022 तक राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, गुजरात, असम, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, तेलंगाना, राजस्थान, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, एनईएफ (त्रिपुरा), बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, पुदुचेरी छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश में 707.24 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। अब-तक लगभग 96.41 लाख किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 1,38,619.58 करोड़ रुपये के भुगतान से लाभान्वित हुए हैं।

जून में दस्तक दे सकती है कोरोना की चौथी लहर, वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस के मामले धीरे धीरे कम हो रहे हैं। जिसके साथ ही तीसरी लहर लगभग खात्मे की ओर है। लेकिन ऐसा नहीं कि कोरोना का खतरा टल गया हो। इस बारे में आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी दी है कि कोरोना की चौथी लहर, जून के मध्य या आखिर तक आ सकती है। ये चेतावनी आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिकों ने एक शोध के बाद दी है। शोध में एक सांख्यिकीय मॉडल का इस्तेमाल किया गया और उसके नतीजों से पता चलता है कि अगली लहर लगभग चार महीने तक रहेगी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक जो डेटा निकलकर सामने आया है, वो इस तरफ इशारा करता है कि भारत में कोविड-19 की चौथी लहर, शुरुआती डेटा की उपलब्ध तारीख से 936 दिनों के बाद आएगी. और यह तारीख थी 30 जनवरी, 2020। भारत में कोविड की चौथी लहर 22 जून के आसपास शुरू हो सकती है और अगस्त के मध्य या अंत तक चरम पर पहुंच सकती है। हालांकि, भारत में इस लहर की गंभीरता वायरस के वैरिएंट की प्रकृति और कोविड वैक्सीनेशन की स्थिति पर निर्भर करेगी।

यूक्रेन महासंकट में भारतीयों के लिए संजीवनी बना आपरेशन गंगा, 240 छात्रों को लेकर दिल्ली पहुंची 6वीं फ्लाइट

नई दिल्ली (आरएनएस)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग का आज पांचवा दिन है। इस बीच वहां के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। हालाँकि, इस महासंकट से यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने का प्रयास भारत सरकार द्वारा जारी है, जिसे ऑपरेशन गंगा नाम दिया गया है। इसके तहत आज 240 भारतीय छात्रों को लेकर 6वीं फ्लाइट दिल्ली पहुंची। इस बारे में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि भारत द्वारा एडवाइजरी जारी किए जाने के बाद से लगभग 8,000 भारतीय नागरिक यूक्रेन छोड़ चुके हैं। उन्होंने कहा, निकासी के प्रयास जारी हैं। जमीन पर स्थिति जटिल बनी हुई है। कहीं कहीं स्थिति चिंताजनक है, लेकिन हम अपने निकासी के प्रयास को तेज करने में सक्षम हैं। वहीँ, अब तक 1,400 भारतीय नागरिकों को लेकर छह उड़ानें भारत आ चुकी हैं।

ब्राज़ील नहीं लगाएगा रूस पर प्रतिबंध

ब्रासीलिया । ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने सोमवार को रूस पर प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए कहा कि वे यूक्रेन पर निष्पक्ष रुख अपनाएंगे। बोल्सोनारो ने कहा कि ब्राजील रूसी उर्वरक पर निर्भर है और मॉस्को के खिलाफ प्रतिबंध लगाने से ब्राजील में कृषि को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि वह शांति के समर्थन में हैं लेकिन ब्राजील में और समस्याएं नहीं पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के लोगों ने एक हास्य अभिनेता पर विश्वास कर देश का भविष्य उसके हाथों में सौंप दिया तथा लुहांस्क और डोनेट्स्क को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने के रूस के कदम का बचाव किया। बोल्सोनारो ने 16 फरवरी को मॉस्को के दौरे पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी।

रूस और यूक्रेन युद्ध : कानपुर के सात विद्यार्थी भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और हास्टल के बेसमेंट में छिपे

0 खारकीव और राजधानी कीव में भीषण युद्ध छिड़ा,कफ्र्यू लगा

कानपुर (आरएनएस)। रूस और यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच शहर के 39 छात्रों के यूक्रेन में फंसे होने की बात सामने आई है। यह संख्या अभी और बढ़ सकती है। इनमें से अभी सिर्फ दो छात्रों वैभव वर्मा और सहरिश सिद्दीकी की घर वापसी हो सकी है।

दहशत के साए में मदद का इंतजार

37 अभी भी यूक्रेन में ही हैं। जिला मुख्यालय के कंट्रोल रूम से जारी सूची में बताया गया है कि इन सभी छात्रों को वापस लाने के इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके लिए सभी के नाम रोजाना शासन को भेजे जा रहे हैं।

यूक्रेन के शहर खारकीव और राजधानी कीव में भीषण युद्ध छिड़ा हुआ है। आसमान से रूस की सेना गोले बरसा रही है। इन सबके बीच कानपुर के सात विद्यार्थी भूमिगत मेट्रो स्टेशनों और हास्टल के बेसमेंट में छिपे हुए हैं। कीव में भी तीन छात्र-छात्राएं दहशत के साए में मदद का इंतजार कर रहे हैं। इन दोनों शहरों में कफ्र्यू है और बाहर देखते ही गोली मारने के आदेश हैं।

खारकीव के मेट्रो स्टेशन में खड़ी ट्रेन के अंदर फंसी दर्शन पुरवा निवासी जेनसी ने बताया कि यहां के विभिन्न मेट्रो स्टेशन में बंकर बना दिए गए हैं, जिसमें 100 से ज्यादा भारतीय छात्र हैं। बाथरूम के पानी से प्यास बुझानी पड़ रही है। आसपास की सुपर मार्केट पर भी बम गिरे हैं। अब खाने-पीने का सामान नहीं मिल रहा। कुछ चने बचे हैं, उन्हें भिगोकर खा रहे हैं। रविवार को फिर एडवाइजरी जारी की गई है कि अगर किसी छात्र को जाना है तो यूक्रेन की ट्रेन से बॉर्डर तक जाएं। ग्रुप बनाकर निकले लेकिन खारकीव के पूर्वी हिस्से में लगातार बमबारी से आगे बढऩा मुश्किल हो रहा है। मेट्रो स्टेशन के आसपास भी रूसी सेना है।

कीव में फंसी आकांक्षा ने बताया कि पड़ोसी देशों के बॉर्डर तक पहुंचाने के लिए विशेष समय पर ट्रेन चलाई जा रही हैं। उसमें यूक्रेन के नागरिकों को प्राथमिकता दी जा रही है। रविवार को वह ट्रेन पकडऩे गए तो ट्रेन में चढऩे नहीं दिया गया। दूतावास ने बताया था कि ट्रेन की तीन बोगी में भारतीय छात्र जाएंगे। चार छात्र किसी तरह रोमानिया बॉर्डर जा सके,बाकी लौट आए।

आवास विकास केशव पुरम निवासी हेमंत कुमार ने फोन करके पिता सुरेश चंद्र को बताया कि वाहन चालक ने लेबिन से पोलैंड बॉर्डर तक 90 किमी आने में 20 हजार रुपये ले लिए। रास्ते में 30 किलोमीटर लंबा जाम मिला। बार्डर से 12 किमी पहले ही टैक्सी चालक ने छोड़ दिया। सुरेश चंद्र ने कंट्रोल रूम में फोन कर बेटे को लाने की गुहार लगाई।

छात्रों के साथ हो रही मारपीट

नौबस्ता बसंत विहार की गरिमा तिवारी और कल्याणपुर अंबेडकरपुरम की सृष्टि यादव डेनिप्रो विवि के हॉस्टल में हैं। गरिमा ने पोलैंड बार्डर पर फंसे छात्रों का एक वीडियो भेजकर बताया कि वहां छात्रों के साथ मारपीट की जा रही है। उनके यहां से कुछ छात्र अलग से वाहन बुक करके रोमानिया बार्डर पहुंच रहे हैं। हास्टलों में खाने पीने का सामान खत्म हो रहा है। हालांकि दैनिक तरुणमित्र वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

भाभा नगर चकेरी की कोमल यादव वेनिस्टिया में एमबीबीएस चौथे वर्ष की छात्रा है। उन्होंने बताया कि वेनिस्टिया में शांति थी, लेकिन शनिवार को कफ्र्यू लगा दिया गया।

यूक्रेन संकट पर पीएम मोदी की हाई लेवल मीटिंग, यूक्रेन के पड़ोसी देशों में जा सकते हैं पुरी-सिंधिया-रिजिजू

नई दिल्ली (आरएनएस)। यूक्रेन संकट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाई लेवल मीटिंग बुलाई है। सरकारी सूत्रों की मानें तो कुछ केंद्रीय मंत्री भारतीयों की निकासी में समन्वय के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों में जा सकते हैं। इनमें केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरेन रिजिजू और जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह शामिल हैं। निकासी मिशन के दौरान ये लोग समन्वय और छात्रों की मदद को लेकर काम करेंगे। रूसी हमले के बाद यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने की कवायद के बीच पीएम मोदी ने उच्च स्तरीय बैठक पर जोर दिया था। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों की सुरक्षा और उनकी जल्द वापसी सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने भी एक हाई लेवल मीटिंग की थी। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के अलावा विदेश मंत्री एस. जयशंकर, विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। सूत्रों ने बताया कि उक्त बैठक दो घंटे से भी लंबी चली। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार से लौटने के तत्काल बाद इस बैठक की अध्यक्षता की।

युद्ध के बीच भारत की बड़ी पहल, यूक्रेन में दवाइयां भेजेगा भारत, मानवीय मदद करेगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग में भले ही भारत ने किसी का भी पक्ष नहीं लिया है, लेकिन उसने मानवीय आधार पर बड़ा दखल देने का फैसला लिया है। सोमवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम यूक्रेन मानवीय मदद भेजेंगे, इसमें दवाएं भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमने यूक्रेन में फंसे भारतीय लोगों को निकालने के लिए ऑपरेशन गंगा लॉन्च किया है। इसके तहत अब तक 1,400 लोगों को 6 विमानों के जरिए भारत लाया गया है। इनमें से 4 विमान रोमानिया के बुकारेस्ट से आई हैं, जबकि दो विमान हंगरी के बुडापेस्ट से भारत आई हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय का कहना है कि लोगों को निकालने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन में लगातार स्थितियां कठिन हो रही हैं, जो चिंताएं बढ़ाने वाली हैं। हमने अपने अभियान को तेज कर दिया है और लोगों को जल्दी से जल्दी निकालने पर हमारा फोकस है। केंद्र सरकार का कहना है कि हमारी ओर से एडवाइजरी जारी किए जाने के बाद से अब तक 8,000 भारतीय यूक्रेन से निकल चुके हैं। एक तरफ मोदी सरकार ने हरदीप सिंह पुरी, वीके सिंह, किरेन रिजिजू और ज्योतिरादित्य सिंधिया को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में भेजने का फैसला लिया है तो वहीं दिल्ली में केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने

अब तक 56 करोड़ से अधिक की शराब व 44 करोड़ का ड्रग्स जब्त

0 मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दी जानकारी

लखनऊ (आरएनएस)। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश भर में लागू आदर्श आचार संहिता को सुनिश्चित कराने के लिये सार्वजनिक एवं निजी स्थानों से अब तक कुल 1,27,82,050 प्रचार सामग्री हटायी गयी है, जिसमें से सार्वजनिक स्थानों से 96,22,160 एवं निजी स्थानों से 31,59,943 प्रचार सामग्री हटायी गयी हैं। उन्होंने बताया कि अब तक सार्वजनिक स्थानों से वाल राइटिंग के 6,40,527 पोस्टर के 41,34,775 बैनर के 31,81,331 तथा 16,65,474 अन्य मामलों में कार्रवाई की गयी है। इसी प्रकार निजी स्थलों से वाल राइटिंग के 2,72,126 पोस्टर के 13,95,644 बैनर के 9,10,681 तथा 5,81,492 अन्य मामलों में कार्रवाई की गयी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, समावेशी एवं कोविड सुरक्षित मतदान कराने के लिए प्रदेश में आदर्श आचार संहिता को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए निर्देशित किया गया है। इस परिप्रेक्ष्य में पुलिस, आयकर, आबकारी, नारकोटिक्स एवं अन्य विभागों द्वारा कार्यवाही की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा अब तक 8,95,756 लाइसेन्सी शस्त्र जमा कराये गये, जिसमें से आज 70 लाइसेन्सी शस्त्र जमा कराये गये। अब तक 631 लाइसेन्स जब्त किए गए तथा 2080 लाइसेन्स निरस्त किये गये। इसी प्रकार निरोधात्मक कार्रवाई करते हुये 32,85,819 लोगों को पाबन्द किया गया हैं। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में अब तक विभिन्न धाराओं में 2014 एफ0आई0आर0 दर्ज करायी गयी है, जिसमें से आज विभिन्न धाराओं में 19 एफआईआर दर्ज की गयी। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा अब तक 9905 शस्त्र, 10,247 कारतूस, 229 विस्फोटक एवं 324 बम बरामद किये गये। पुलिस विभाग द्वारा रेड डालकर अवैध शस्त्र बनाने वाली 184 फैक्ट्रियों को सीज किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुलिस विभाग एवं आयकर विभाग की कार्रवाई में अब तक लगभग 92.77 करोड़ रुपए का कैश बरामद किया गया है। आयकर विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 1.29 करोड़ रुपये की बरामदगी की जांच की जा रही है। इसके अतिरिक्त आबकारी एवं पुलिस विभाग द्वारा अब तक 56.26 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 20,72,743 लीटर मदिरा जब्त की गयी हैं। इसी प्रकार नारकोटिक्स एवं पुलिस विभाग द्वारा अब तक 44.20 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य का 17,262 कि0ग्रा0 ड्रग्स जब्त किया गया है। साथ ही पुलिस एवं आयकर विभाग द्वारा अब तक लगभग 39.92 करोड़ रुपये मूल्य की 391 किग्रा0 की बहुमूल्य धातुएं बरामद की गयी। इसके अतिरिक्त लगभग 85.43 करोड़ रुपए मूल्य की अन्य वस्तुएं भी बरामद की गयी हैं।

मालेगांव बम विस्फोट मामले में एक और गवाह मुकरा, कर्नल पुरोहित को नहीं पहचाना

नई दिल्ली (आरएनएस)। 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में एक और गवाह मुकर गया है। अभियोजन पक्ष ने बताया कि ये अठारहवां गवाह है जो अपनी गवाही से मुकरा है। 2008 के मालेगांव बम विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और 100 से अधिक घायल हुए थे।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि अपने बयान से मुकरने वाले नया गवाह मध्य प्रदेश का एक होटल मालिक है। एजेंसी ने कहा कि वह महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी को दिए गए अपने पहले के बयानों से मुकर गया। गवाह मामले के तीन आरोपियों कर्नल प्रसाद पुरोहित, अजय रहीरकर और सुधाकर चतुर्वेदी से संबंधित है।

एनआईए ने सोमवार को दिन-प्रतिदिन के आधार पर मुकदमे का संचालन कर रहे विशेष एनआईए न्यायाधीश पी आर सित्रे के समक्ष 232वां गवाह पेश किया। गवाह ने अदालत को सूचित किया कि उसे कुछ भी याद नहीं है और अदालत में मौजूद कर्नल पुरोहित की पहचान करने में विफल रहा। इससे पहले गवाह के बयान तीन बार दर्ज किए गए थे, एक बार महाराष्ट्र एटीएस द्वारा और दो बार एनआईए द्वारा मामले को संभालने के बाद।

उसने एजेंसियों को बताया था कि उसने कर्नल पुरोहित के अनुरोध पर आर्ट ऑफ लिविंग कोर्स के नाम से एक शिविर का आयोजन किया था और उक्त शिविर में 50 से 60 लोगों को प्रशिक्षित किया गया था। एक आरोपी सुधाकर चतुर्वेदी लाठी प्रशिक्षण के एक सत्र में घायल भी हो गया था। शिविरों की व्यवस्था 16 अक्टूबर, 2008 से 21 अक्टूबर, 2008 तक की गई थी। उसने महसूस किया कि शिविर आर्ट ऑफ लिविंग नहीं बल्कि कुछ और थे, लेकिन कर्नल पुरोहित से सवाल नहीं किया क्योंकि वे वर्दी पहनकर इन शिविरों में भाग लेते थे।

प्रशिक्षण शिविर पर लगभग 79,150 रुपये खर्च किए गए, और कुछ राशि का भुगतान रहीरकर ने किया। कर्नल पुरोहित ने होटल मालिक से ट्रेनिंग के लिए एयर राइफल्स की व्यवस्था करने को भी कहा था, लेकिन वह उनकी व्यवस्था नहीं कर पाए। विस्फोट पीड़ितों ने मामले में गवाहों के मुकरने की संख्या पर चिंता व्यक्त की है।

29 सितंबर, 2008 को मालेगांव में एक मस्जिद के पास मोटरसाइकिल में बंधा एक विस्फोटक उपकरण फट जाने से छह लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। मामले में मुकदमे का सामना कर रहे आरोपियों में कर्नल प्रसाद पुरोहित, राजनेता प्रज्ञा सिंह ठाकुर उर्फ साध्वी प्रज्ञा, मेजर सेवानिवृत्त रमेश उपाध्याय, अजय रहीरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी हैं।

उनका ट्रायल 2 नवंबर, 2018 को शुरू हुआ, जिसमें अभियोजन एजेंसी ने लगभग 286 गवाहों की एक सूची प्रस्तुत की, जिसमें डॉक्टर, पुलिस अधिकारी, फोरेंसिक विशेषज्ञ और पंच गवाह शामिल हैं। अदालत ने 30 अक्टूबर, 2018 को सभी सात आरोपियों के खिलाफ आतंकी गतिविधियों, आपराधिक साजिश और हत्या के मामले में आरोप तय किए थे। आरोपी को कड़े गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धाराओं के तहत मुकदमे का भी सामना करना पड़ा।

1 से 7 मार्च 2022 तक जन औषधि दिवस सप्ताह मनाया जाएगा

नई दिल्ली (आरएनएस)। फार्मास्युटिकल विभाग के अंतर्गत फार्मास्युटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइस ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) अपना चौथा जन औषधि दिवस मनाने जा रहा है। चौथे जन औषधि दिवस के अवसर पर सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के विभिन्न स्थानों पर सप्ताह भर का आयोजन किया जाएगा। इससे जेनेरिक औषधियों के उपयोग तथा जन औषधि परियोजना के लाभ के बारे में जागरूकता पैदा होगी।

पीएमबीजेके के स्वामियों, लाभार्थियों, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों, जन-प्रतिनिधियों, डॉक्टरों, स्वास्थ्यकर्मियों, नर्सों, फार्मासिस्टों, जन औषधि मित्रों तथा अन्य हितधारकों के घनिष्ठ समन्वय से सप्ताह भर के आयोजन किए जाएंगे और योजना की प्रमुख विशेषताओं तथा उपलब्धियों पर चर्चा की जाएगी। सभी कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव की भावना के अंतर्गत आयोजित किए जाएंगे। 75 स्थानों पर अनेक कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। ये कार्यक्रम विभिन्न शहरों में 1 मार्च, 2022 से 7 मार्च, 2022 तक आयोजित किए जाएंगे, जिनका फोकस जन औषधि योजना के बारे में जागरूकता, संगोष्ठियों, बच्चों, महिलाओं तथा स्वयंसेवी संगठनों की भागीदारी, हेरिटेज वॉक तथा हेल्थ वॉक तथा अन्य कार्यक्रमों पर होगा। देश के विभिन्न भागों में दिन के अनुसार गतिविधियां इस तरह तय की गई हैं।

इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के निर्यात में 2013-14 से 88 प्रतिशत की वृद्धि हुई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात 2013-14 के 6600 मिलियन डॉलर से 88 प्रतिशत बढक़र 2021-22 में 12,400 मिलियन डॉलर का हो गया है। इस क्षेत्र में प्रमुख रूप से निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में मोबाइल फोन, आईटी हार्डवेयर (लैपटॉप, टैबलेट), उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स (टीवी तथा ऑडियो), औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स तथा ऑटो इलेक्ट्रॉनिक्स हैं। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति 2019 (एनपीई 2019) का उद्देश्य भारत को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन तथा मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) के लिए वैश्विक केंद्र बनाना है। वैश्विक केंद्र बनाने के लिए नीति का उद्देश्य मुख्य घटकों के लिए देश में क्षमताओं को प्रोत्साहन देना और प्रेरित करना तथा विश्व में स्पर्धा करने के लिए उद्योग के अनुकूल वातावरण बनाना है। इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र को प्रोत्साहित करने तथा आवश्यक इकोसिस्टम बनाने के लिए बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई), इलेक्ट्रॉनिक घटकों तथा सेमी कंडक्टरों के प्रोत्साहन के लिए योजना (एसपीईसीएस), संशोधित इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर्स योजना (ईएमसी 2.0) तथा आईटी हार्डवेयर के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना लागू की गई है।

भारत का निर्यात निरंतर रूप से बढ़ रहा है। यह ध्यान देने की बात है कि भारत का व्यापारिक निर्यात जनवरी 2022 में 23.69 प्रतिशत बढक़र 34.06 बिलियन डॉलर का हो गया, जो जनवरी 2021 में जनवरी 2020 के 25.85 बिलियन डॉलर से 31.75 प्रतिशत बढक़र 27.54 बिलियन डॉलर था।

भारत का व्यापारिक निर्यात 2021-22 (अप्रैल-जनवरी) में 46.53 प्रतिशत बढक़र 335.44 बिलियन डॉलर हो गया, जो 2020-21 (अप्रैल-जनवरी) में 2019-20 (अप्रैल-जनवरी) के 264.13 बिलियन डॉलर से 27.0 प्रतिशत बढक़र 228.9 बिलियन डॉलर था।

सरकार निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक सक्रिय कदम उठा रही है। निर्यात क्षेत्र बाधाओं को विशेषकर महामारी के दौरान की बाधाओं को समाप्त करने के लिए एक निर्यात निगरानी डेस्क बनाया गया है।

वाणिज्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न अधिनियमों की अधिकता तथा पुराने प्रावधानों को समाप्त करने लिए समीक्षा की जा रही है। अत्यधिक उत्साह के साथ अनेक द्विपक्षीय व्यापार समझौते किए जा रहे हैं। सरकार एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) जैसी पहलों के माध्यम से भारत में प्रत्येक जिले को निर्यात केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में संकल्पबद्ध है। विभिन्न निर्यातमुखी योजनाओं के माध्यम से निर्यातकों को समर्थन दिया जा रहा है। अनुपालन बोझ को युक्तिसंगत तथा अपराधमुक्त बनाए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं और व्यावसायिक सुगम्यता सुधारने के लिए अनेक कदम उठाए जा रहे हैं।

निर्यातकों को लाइसेंस प्रदान करने तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक आईटी आधारित प्लेटफॉर्म बनाया गया है। सरकार भारतीय निर्यात को विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में वैश्विक स्थान दिलाने के लिए निर्यात के ब्रांड वैल्यू बढ़ाने का काम कर रही है तथा देश को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोडऩे के लिए सक्रिय कदम उठाए जा रहे हैं।